GOWTHAM E.M. SCHOOL, GUDIVADA.

X Hindi (State) Pre-final - 3 - KEY

Time : 3 Hours **Max. Marks : 100**

I. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए । **12x1 = 12**

1. श्रावण
2. जल्दी
3. उन्नीस सौ दस
4. में
5. गंगाजल - तत्पुरुष समास
6. हिम + आलय
7. विदेशी
8. मर जाना
9. गायिका गाना गाती है ।
10. मज़दूर मेहनत करते हैं ।
11. लडके ने रोटी खायी ।
12. तुम अपना काम करो ।

प्रश्न संख्या 13 से 18 तक दिये गये गद्यांश, पद्यांश एवं विज्ञापनों को पढ़कर निर्देश के अनुसार उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्ने के लिए चार अंक निर्धारित है ।

13. **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर, अनुच्छेद में से ही पहचानकर लिखिए ।** **4x1 = 4**

अ) गिरि, पर्वत
आ) अशास्त्रीय
इ) पहाडी
ई) असमान

14. **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।** **4x1 = 4**

अ) मिठाइयों के बाद लोहे की चीज़ों की दुकानें आती हैं ।
आ) हामिद को दादी का ख्याल आता है ।
इ) तवे से रोटी उतारी जाती है ।
ई) दादी के पास चिमटा नहीं है ।

15. **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।** **4x1 = 4**

अ) A
आ) C
इ) C
ई) C

16. **निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।** **4x1 = 4**

अ) नर-समाज का भाग्य श्रम और भुजबल है ।
आ) पृथ्वी विनय से झुकी है ।
इ) जो श्रम करता है उसके सम्मुख पृथ्वी और नभ-तल झुकते हैं ।
ई) श्रम-जल बहानेवाला श्रमिक है ।

17. **निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।** **4x1 = 4**

अ) A
आ) C
इ) B
ई) A

18. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए । 4x1 = 4

अ) B
आ) B
इ) C
ई) D

II. अ) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर छह पंक्तियों में लिखिए । 2x4 = 8

19. उलझनों से बचे रहने के लिए हमें कुछ सावधानियाँ लेनी चाहिए । पहले वास्तविकता को पहचानना है । कल्पना में विचरित करते रहने से मनुष्य सच्चाई से दूर रहकर काल्पनिक लोक में ही रहता है । इसलिए हमें हमेशा उन लोगों को तथ्य दीप समझाना चाहिए । उलझनों के आने पर हमें धैर्य न खोना चाहिए । उनकी निराशा को दूरकर उनमें आत्म विश्वास भरना चाहिए । दिल में प्यार बसाना चाहिए ।

20. कलाम के विचार में आदर्श छात्र के गुण ये हैं -
1) छात्र को अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का मुख्य गुण है ।
2) अनुशासित रहने से, खूब परिश्रम करने से कक्षा में आगे बढ़ सकते हैं ।
3) अपने जीवन में एक लक्ष्य बनाना है ।
4) लक्ष्य तक पहुँचने के लिए आवश्यक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करना है ।
5) विघ्न और बाधाओं से लडते हुए उन पर विजय प्राप्त करना है ।
6) निरंतर प्रयत्नशील रहना (होना) ।
7) नैतिक मूल्यों को ग्रहण करना है ।
8) अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संतुलित रखना आदि आदर्श छात्र के गुण हैं ।

आ) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए । 8x2 = 16

21. प्रकृति में रहनेवाली हर प्राणी वर्षा पर निर्भर रहता है । पानी के बिना मानव, पशु-पक्षी और पेड-पौधे जीवित नहीं रह सकते । मेघों से वर्षा होती है । वर्षा हमारे लिए प्रकृति का वरदान है । वर्षा के कारण नदी-नाले, तालाब, आदि पानी से भर जाते हैं । इनसे मानव अपनी जीविका चला रहा है । नदियों के पानी से खेतों की सिंचाई होती है । वर्षा के बिना खेती-बाडी नहीं हो सकती । वर्षा के पानी से सब प्राणियों की प्यास बुझती है । पानी से ही बिजली पैदा होती है । इसलिए हम कह सकते हैं कि वर्षा सभी प्राणियों का जीवन का आधार है ।

22. साधु, सन्यासी, महात्मा (जिनमें अच्छे गुण हो) को 'संत' कहते हैं । ईश्वर भक्त को संत कहते हैं । सांसारिक झगडों और संबंधों या बंधनों से अलग रहकर धार्मिक जीवन बितानेवालों को संत कहते हैं । संत लोग भगवान को पाने का और मुक्ति पाने का रास्ता बताते हैं । जो लोग भगवान की भक्ति में लीन होते हैं, उन्हें संत कहते हैं ।

23. बिदेसिया लोकगीत गाँवों और इलाकों की बोलियों में गाये जाते हैं । भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों से बिदेसिया का प्रचार हुआ है । गानेवालों में अनेक समूह के रूप में इन्हें गाते हुए देहात में फिरते हैं । बिहार में बिदेसिया से बढ़कर दूसरे गाने लोकप्रिय नहीं हैं । इन गीतों में अधिकतर रसिकप्रियों और प्रियाओं की बात रहती है । इन गीतों में परदेशी प्रेमी की और इनसे करुणा और विरह का रस बरसता है । पुरुष एक ओर और स्त्रियाँ दूसरी ओर एक दूसरे के जवाब के रूप में दल बाँधकर गाते हैं ।

24. हिंदी के निबंध लेखकों में काका कालेलकर जी का प्रमुख स्थान है । उनका पूरा नाम दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर है । उनका जन्म सन् 1885 में और मृत्यु सन् 1991 में हुई । इन्होंने आजीवन गाँधीवादी विचारधारा का पालन किया । काका कालेलकर की रचना 'सप्त सरिता' है । उन्होंने साहित्यक विषयों पर विचारात्मक निबंध लिखे हैं । साहित्यक विषयों के अतिरिक्त उन्होंने समाज, धर्म, शिक्षा आदि विषयों पर निबंध लिखे हैं । विचारपूर्ण निबंध या यात्रा संस्मरण सभी विषयों की तर्क पूर्ण व्याख्या काका कालेलकर की लेखन शैली की विशेषता रही है ।

25. हमारे जीवन में जल का अधिक महत्व है । जल हमारे जीवन का प्रमुख आधार है । जल के बिना कोई प्राणी जीवित नहीं रह सकते । संसार के सभी प्राणी जल के आधार पर ही अपना जीवन बिता रहे हैं । पीने के लिए, नहाने के लिए, कपडे धोने के लिए, गृहों के निर्माण के लिए, खेती के लिए, बिजली के उत्पादन के लिए, आखिर शौचालय के लिए भी पानी का उपयोग किया जाता है । एक बात में कहना हो तो पानी के बिना हम एक कदम भी आगे नहीं डाल सकते । इस प्रकार हमारे जीवन में जल का बडा महत्व है ।

26. मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पऋ चलने से रोकना ही 'शांति' है । इसीलिए जहाँ शांति है, वहाँ सुख है, जहाँ सुख है वहाँ स्वर्ग है, जहाँ स्वर्ग है वहाँ दुनिया का श्रेष्ठ स्थान है । युद्ध, दुःख, लालच और सभी पीडाओं को मिटाने का एक मात्र साधन है - 'शांति' । धन-दौलत से भौतिक संपदा खरीद सकते हैं, किंतु शांति नहीं ।

27. **अरूणा का स्वभाव :** बस्ती के गरीब, नौकरों, चपरासियों के बच्चों को पढ़ाना, उन्हें नैतिक मूल्यों को समझाकर अच्छे मार्ग पर लाना आदि में अरुणा अपना समय बिताती है । बाढ़ पीडितों की दशा देखकर उसका मन विचलित हो गया । उसे दुःखी और असहाय लोगों की सेवा में अधिक रुचि है । उसमें मानवता की भावना है ।

चित्रा का स्वभाव : चित्रा अपनी चित्रकला के द्वारा समाज को बदलना चाहती है ।अच्छा चित्र खींचकर प्रथम पुरस्कार पाना चाहती है । हमेशा अपने रंगों और तूलियों में डूबी रहती है । चित्रा के उद्देश्य में कला कला के लिए है न कि जीवन के लिए । वह अच्छी चित्रकारिणी बनकर अपनी आशाओं को सफल बनाना चाहती है ।

28. राजा कुमारवर्मा हरित नगर राज्य का राजा था । वह एक अच्छा शासक था । उसके शासन -काल में राज्य हराभरा था। लेकिन एक समय ऐसा आया राज्य में वर्षा बराबर न होने से अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई । राज्य में सारी फसलें सूख गयीं । तालाब और गड्ढे सूख गये । केवल दो ही जीव नदियाँ बची थीं जो छोटी-छोटी नहरें बनकर रह गयीं । जनता से की गयी और अपने द्वारा की गयी छोटी भूलों की वजह से कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी ।

III. निम्न लिखित निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए ।

अ) किसी एक प्रश्न का उत्तर 12 - 15 पंक्तियों में लिखिए । **1x8 = 8**

29. प्रस्तुत कविता में कवि ने सावन मास के बादल बरसते समय प्रकृति चित्रण का वर्णन बहुत सुंदर ढ़ंग से प्रस्तुत किया । कवि कहते हैं कि मेघों से वर्षा 'झम-झम' स्वर से बरसती है । बादलों की छम-छम गिरती बूँदें पेडों पर पडकर छनती हैं । अंधकार रूपी काले बादलों में कभी-कभी बिजली चमक कर उजाला फैलाती है । वर्षा ऋतु में हम दिन में ही सपने देखने लगते हैं ।

वर्षा को देखकर दादुर टर-टर करते रहते हैं । झिंगुर झन-झन बजती है । मोर भी खुशी से म्यव-म्यव करते हुए नाच दिखाते हैं । चातक के गण पीउ-पीउ कहते हुए मेघों की ओर देख रहे हैं । आर्द सुख से क्रंदन करते सोनबालक उडते हैं । आकाश भर में बादल घुमडते हुए गरज रहे हैं ।

वर्षा की बूँदें रिमझिम-रिमझिम पडती हुई कुछ कह रही हैं । वे बूँदें शरीर पर गिरने से रोम सिहर उठते हैं । अधिक वर्षा होने के कारण धाराओं पर धाराएँ धरती पर बहती हैं । वर्षा के कारण मिट्टी के कण-कण से कोमल अंकुर फूट रहे हैं ।

अंत में कवि इस प्रकार कह रहे हैं कि वर्षा की धारा को पकडने मेरा मन झूल रहा है । आओ, आज सब मिलकर सावन के गीत गायेंगे और वर्षा के कारण बने इंद्रधनुष रूपी झूले में झूलेंगे । मन को लुभानेवाला सावन हमारे जीवन में बार-बार आयें ।

30. मीराबाई सगुण भक्तिधारा के कृष्णोपासक कवइत्रियों में श्रेष्ठ है । मीरा की भक्ति में माधुर्य भाव अधिक है । आपके जीवन में कृष्ण प्रेम की भावना ही सबकुछ है ।

प्रस्तुत पद में मीराबाई ने सद्‌गुरु की महिमा तथा कृपा के बारे में वर्णन किया है । मीरा -बाई कहती है कि 'मुझे राम रतन धन रूपी धन मिल गया है । मेरे सत्‌गुरु ने कृपा करके भक्ति रूपी यह अमूल्य धन दिया है । इसे पाने के लिए मैंने संसार के सभी चीजों को खोया है । फिर भी मैं खुश हूँ । क्योंकि इसे कोई चोर भी लूट नहीं सकेगा । यह दिन-दिन सवाये मूल्य की बढ़ती जाती है । मेरी नाव सत्य की है । सच रूपी नामक नाव के नाविक है सद्‌गुरु उसीके सहारे मैं (मीराबाई) भवसागर को पार कर सकती हूँ । मेरे स्वामी तो गिरिधर नागर श्रीकृष्ण हैं । मैं खूब प्रसन्नता के साथ उनके यशो गीत गाऊँगी ।

आ) किसी एक प्रश्न का उत्तर 12 - 15 पंक्तियों में लिखिए । **1x8 = 8**

31. स्वराज्य प्राप्ति के लिए हिदुस्तान में लडाई (आंदोलन) चल रही थी । शासक राव साहब, बाँदा के नवाब आदि भोग - विलास में डूबे थे । राजाओं में एकता नहीं थी । वे लापरवाह थे । दूसरी ओर लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाएँ स्वराज्य केलिये और स्वतंत्रता केलिए गोरों से युद्ध करने की तैयरियाँ कर रही थीं ।

लक्ष्मीबाई के साथ जूही और मुंदर थीं । वे देश केलिए लक्ष्मीबाई के साथ जान देने केलिए भी तैयार थीं । लक्ष्मीबाई को इस बात की चिंता थी कि तात्या जैसे वीर भी विलासिता में डूबे थे । वह नारी सेना का साथ लेना चाहती थी । लक्ष्मीबाई ने अपने राज्य केलिए यह प्रतिज्ञा की थी कि मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी । लेकिन झाँसी उनके हाथ से निकल गई । वह अकेली ही लडकर झाँसी प्राप्त करना चाहती थी ।

सेनापति तात्या लक्ष्मीबाई से प्रेरणा पाकर युद्ध में उसके साथ देने को तैयार होते हैं । इसके बाद रघुनाथ राव द्वारा जनरल रोज ने मुरार में पेशवा को हराने का समाचार सुनकर ग्वालियर किले को बचाने केलिए युद्ध के लिए तैयार होने की आज्ञा दी । महारानी लक्ष्मीबाई कहती है कि अब नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो । मैं अपनी झाँसी के लिए गोरों के विरुद्ध युद्ध करके रण भूमि में अपने प्राण अर्पित करने के लिए तैयार हूँ । उनसे यह भी कहती है कि हमें रण - भूमि में मौत से लडना है । हमारी वीरता कलंकित हो न पाये ।

आखिर वह कहती है कि हम सब मिलकर स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे । स्वराज्य प्राप्त करना अच्छा है । यदि उस लडाई में असफल (विफल) हो तो अपने प्राण त्यागकर वीरों व देशभक्तों के लिए मार्गदर्शक बनना है ।

32. चेन्नई से राजमहेंद्री जाते समय लेखक की भावनाएँ कैसी थीं ?

1) चेन्नई से राजमहेंद्री जाते हुए बेजवाडे से आगे सूर्योदय हुआ ।
2) पूर्व की तरफ एक नहर रेल की पटरी के किनारे - किनारे बह रही थी । किनारा ऊँचा होने के कारण पानी हमें कभी-कभी ही दिख पड़ता ।
3) कोव्वूरु स्टेशन आते ही मन में यह उमंग भरी थी कि अब यहाँ से गोदावरी मैया के दर्शन होने लगेंगे ।
4) राजमहेंद्री के आगे गोदावरी की शान शौकत कुछ निराली है ।
5) गोदावरी के पश्चिम की तरफ धूलि - धूसरित मटमैले जल की झाँई के कारण वैदिक प्रभाव की शीतल और स्निग्ध सुंदरता छाई हुई थी ।
6) पहाडों पर कुछ उतरे हुए धौले - धौले बादल ऋषि मुनियों जैसे लगते थे ।

7) गोदावरी का अखंड प्रवाह पहाडों में से निकल कर अपने गौरव को साथ में लिये आता हुआ दिखाई पड़ता है ।

8) गोदावरी के टापू प्रसिद्ध हैं । कई तो पुराने धर्म की तरह स्थिर रूप होकर जमे हुए हैं और कई तो क्षण भर में नवीनता उत्पन्न कर नये रूप ग्रहण कर लेते हैं।

9) संस्कृति के उपासक भारतवासी इस जगह गंगाजल के आधे कलश गोदावरी में उँडेलते और गोदावरी के जल से कलश भर ले जाते हैं ।

10) गोदावरी के पूरब की तरफ पश्चिम की तरफ से ज्यादा चौडी है । पूरब की तरफ निराली ही रौनक नजर आती है ।

11) नदी में काँस की कलगियों का प्रवाह, गोदावरी के प्रवाह से बिना संकोच के साथ होड़ करता दिखाई देता है ।

12) गोदावरी चारों वर्णों की माता है । गोदावरी के जल में अमोघ शक्ति है । उस पानी की एक बूँद का सेवन भी व्यर्थ नहीं जाता ।

इ) संकेत शब्दों के आधार पर कहानी लिखिए । **1x8 = 8**

33. **एक जंगल में एक खरगोश और कछुआ रहते थे । खरगोश को अपनी फुर्ती पर बहुत गर्व था । वह हमेशा कछुए को कम समझता था । एक दिन खरगोश ने कहा कि तुम्हारे और मेरे बीच दौड की होड में कौन जीतेंगा देख लें । तब कछुए ने कहा मुझे मंजूर है । दोनों ने ऊँची पहाड तक जाने के लिए दौड आरंभ किया । खरगोश काफी आगे चलने के बाद एक पेड के नीचे जाकर आराम करना चाहा, मगर गहरी नींद में चल गया । कछुआ धीरे-धीरे चलते-चलते पेड के पास गया । वहाँ न रोककर आगे निकला और विजय रेखा पहुँच गया । इधर खरगोश की नींद टूटी । वह हारने के कारण कछुए के सामने अपना सिर शर्म से झुकाया ।**

ई) किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । **1x8 = 8**

34. स्थान :
दिनांक :

प्रिय मित्र रमेश,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सानंद रहे । तुमने पिछले पत्र में पूछा था कि मैं दसवीं कक्षा के बाद क्या करना चाहता हूँ । उसका विवरण मैं यहाँ दे रहा हूँ ।

दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद इंटर में यम.पी.सी ग्रूप लेकर अच्छी तरह पढूँगा । अच्छे अंक पाकर इंजनीयरिंग में दाखिल होना चाहता हूँ । भविष्य में मैं एक अच्छा और सच्चा इंजनीयर बन कर देश तथा समाज की सेवा करना चाहता हूँ ।

तुम्हारे माता-पिता को मेरे प्रणाम कहो । तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा करता हूँ ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

नाम : .....

पता :-

आर. रमेश,

S/ रामाराव,

घर नं : 128-15- A/23,

चेन्नै,

तमिलनाडु ।

35. स्थान :
दिनांक :

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि आप सब लोग भी वहाँ सकुशल हैं । मैं वार्षिक परीक्षाओं के लिए अच्छी तरह पढ़ रहा हूँ । अच्छे अंक भी मिलेंगे । मुझे युहाँ कुछ पुस्तकों की आवश्यकता है । अध्यापक महोदय ने कहा है कि ये पुस्तकें जरूर खरीदनी हैं । इसलिए पत्र पाते ही रु. 500 डाकघर के द्वारा भेजने की कृपा कीजिए ।

घर में माताजी को मेरे प्रणाम कह देना । आपके पत्र की प्रतीक्षा में रहूँगा ।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

क्रम संख्या :.....

पता :-

यन. रामाराव,

घर नं : 128-13- A/36,

गाँधी नगर,

सूर्या पेट ।

उ) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । 1x8 = 8

36. आजकल की परिस्थितियों में दूरदर्शन का अनुपम स्थान है । दूरदर्शन के द्वारा जनता को तरह-तरह के विषय पहुँचा जाते हैं । इनसे जनता जागरूक रहते हैं और अपने आप को बचा सकते हैं ।

दूरदर्शन आधुनिक युग के मनोरंजन के साधनों में महत्वपूर्ण है । जे .यल. बयर्ड और जेकिंस नामक वैज्ञानिकों ने दूरदर्शन का आविष्कार किया । दूरदर्शन को अंग्रेजी में टी. वी कहते हैं । टी.वी . मानी टेलीविजन है । टेली का अर्थ है दूर तथा विजन का अर्थ है प्रतिबिंब । अत : दूरदर्शन का अर्थ है दूर के दृश्यों के प्रतिबिंब दिखानेवाला । आजकल दुनिया भर में इसका प्रचार बढ़ गया है ।

मनुष्य काम करते - करते थक जाता है । ऐसी दशा में मनोरंजन पाने की इच्छा करता है । मनुष्य को मनोरंजन देनेवाले साधनों में दूरदर्शन सशक्त एवं महत्वपूर्ण साधन है। सिनेमा और रेडियो से जो आनंद मिलता है, वह केवल दूरदर्शन से प्राप्त कर सकते हैं। इसमें शब्दों के साथ - साथ दृश्य भी दिखाई देने के कारण इसका महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है ।

दूरदर्शन में सभी वर्गों के लोगों के लिए आवश्यक कार्यक्रम आते हैं । यह अनपढ़ लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं । इस में प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करनेवालों के लिए भी उपयोगी कार्यक्रम आते हैं । समाचार ,खेल , सिनेमा, फिल्मी गीत,ऐतिहासिक विषय आदि उपयोगी और मनोरंजक कार्यक्रम देख सकते हैं । विद्या,वैद्य, व्यापार आदि हर एक क्षेत्र में इसके कार्य अत्यंत उपयोगी और मनोरंजक होते हैं।

इस प्रकार दूरदर्शन से मनुष्य को ज्यादा से ज्यादा मनोरंजन और ज्ञान भी मिल रहा है । इनको देखने से लोगों की थकावट भी मिट जाती है ।

दूरदर्शन से कुछ हानियाँ भी हैं । ये विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुकावट डालते हैं । नजदीक से देखने से आँखें खराब हो जाती हैं । आवश्यकता से ज्यादा इसके चक्कर में पड जाये तो लाभों

की जगह नष्ट ज्यादा होते हैं ।

सरकार का कर्तव्य है कि नैतिक मूल्य रखनेवाले कार्यक्रमों का प्रसारण करवाना है । अनैतिकता से संबंधित दृश्यों पर रोक लगावें । तभी यह दूरदर्शन लोगों के लिए वरदान बन सकता है ।

37. भारत देश में मनाये जानेवाले त्योहारों में दीवाली अत्यंत प्रसिद्ध है । यह त्योहार हरवर्ष आश्वयुज मास की अमावास्या के दिन बडे धूम - धाम से मनाया जाता है । दीपावली का अर्थ है दीपों का समूह या पंक्ति । दीपों के प्रकाश में अमावास्या की रात भी पूर्णिमा जैसी लगती है । अतः इसे प्रकाश का पर्व भी कहा जाता है ।

दीपावली मनाने के कुछ कारण बताये जाते हैं । ज्यादा लोगों का कथन है कि श्री कृष्ण ने सत्यभामा के साथ चतुर्दशी के दिन नरकासुर नामक राक्षस का वध किया । इस संदर्भ में नरक चतुर्दशी और उसके बाद का दिन दीपावली अमावास्या के रूप में मनायी जाती है ।

दीपावली के दिन लोग तडके उठकर अभ्यंगन स्नान करते हैं नये कपडे पहनते हैं । घरों में तरह - तरह की मिठाइयाँ और पकवान बनाते हैं । त्योहार के दिन रात को लोग लक्ष्मी की पूजा करते हैं । बच्चे - बूढे, अमीर -गरीब, स्त्री - पुरुष सभी प्रसन्नता और उत्साह के साथ फटाकें आदि जलाते हैं । किसी प्रकार के जाति - वर्ग विभेद के बिना इस त्योहार को सब लोग खुशी से मनाते हैं ।

दीपावली मनाने से वर्षा से उत्पन्न दुष्परिणाम दूर हो जाते हैं । तबीयत के लिए हानिकारक कीडे, मकोडे और मच्छरों का नाश होता है । अमावास्या की रात भी दीपों के प्रकाश में अत्यंत प्रकाशमान होती है ।

इस त्योहार से कुछ हानियाँ या नष्ट भी हैं । पैसे ज्यादा खर्च करते हैं । फिजूल खर्च ज्यादा होते हैं । फटाकें वगैरह जलाते समय शरीर, हाथ या घर भी जल जाने की संभावना है । तब इस त्योहार से आनंद की जगह दुःख होता है ।

दीवाली त्योहार से कुछ हानियाँ रहने पर भी यह त्योहार सब लोगों को उल्लास, आनंद देनेवाला है । अतः सावधानी से व्यवहार करेंगे तो इस त्योहार से हमें आनंद ही मिलेगा ।